केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 314 शुक्रवार 7 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

गठबंधन सरकार गठन से पहले उठी अग्निवीर योजना में बदलाव की मांग

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। इसके चलते नरेंद्र मोदी को अब नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की पार्टियों के समर्थन से सरकार चलानी पड़ेगी। अब तक सरकार गठन को लेकर कोई रूपरेखा तय नहीं हुई है, लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी ने पहले ही तीर चल दिया है। जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने गुरुवार को सेना में जवानों की भर्ती के लिए बनी अग्निवीर योजना में बदलाव की मांग कर दी। उन्होंने कहा, 'अग्निवीर स्कीम का बहुत विरोध हुआ था और चुनाव में भी इसका असर देखने को मिला था। इसलिए अग्निवीर स्कीम पर दोबारा सोचने की जरूरत है।'

केसी त्यागी ने 'आज तक' से बातचीत में कहा कि यह स्कीम जब आई थी, तब लोगों ने काफी विरोध किया था। सेना में तैनात लोगों के परिवार के लोग भी इससे नाराज थे। इसलिए इसमें बदलाव हो जाना चाहिए। वहीं समान नागरिक संहिता के मसले पर पूछा गया तो नीतीश कुमार की पार्टी ने कहा कि हम इसके समर्थन में हैं। लेकिन इसे लेकर हमारी मांग है कि सभी संबंधित पक्षों की इसमें राय ली जाए। इसके बाद ही कोई फैसला लेना चाहिए। केसी त्यागी ने कहा कि यही स्टैंड हमारा पहले भी था और आज भी हम इस बात पर कायम हैं।

वहीं एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर समर्थन की बात भी कही। जेडीयू ने कहा कि हम इस मसले पर पहले भी साथ थे। गौरतलब है कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में 240 सीटें मिली हैं, जबकि जेडीयू को 12 पर विजय हासिल हुई है। आंध्र प्रदेश की टीडीपी को 16 सीटें हासिल हुई हैं। इन दोनों दलों के सहारे ही अब भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है। खबर है कि नरेंद्र मोदी 8 या फिर 9 जून को पीएम पद की शपथ ले सकते हैं। सरकार गठन को लेकर दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं की मीटिंग भी चल रही है।

जबकि दूसरी ओर तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में गुरुवार को विजयवाड़ा में पार्टी के नवनिर्वाचित संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से केद्र में बनने वाली नई सरकार में पार्टी नेताओं के लिए पांच कैबिनेट मंत्री पद और अपनी सहयोगी जन सेना के लिए दो पद देने का अनुरोध करने का फैसला किया गया है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी।

एक नजर

बारिश से मिली थोड़ी राहत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भीषण गर्मी के बीच गुरुवार की भोर में बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को बड़ी राहत दी। भोर करीब चार बजे घने बादल छा गए। तेज हवाएं चली और थोड़ी ही देर बाद बारिश शुरू हो गई। जिलेभर में कहीं थोड़ी देर तक मूसलाधार बारिश हुई तो कहीं हल्की बारिश ही हुई। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे तक आसमानों में घने बादल छाए रहने से मौसम काफी सुहाना हो गया। इसके चलते तापमान का न्यूनतम पारा भी दो अंक तक लुढ़क गया। सुबह दस बजे तक हल्की धूप निकल आई।

जिले के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश होने से खेतों में भी पानी लग गया। इसके साथ ही शहर से लगायत ग्रामीण इलाकों में जलभराव की समस्या भी बन गई। कुछ जगहों पर कीचड़ पसर जाने से आवागमन भी बाधित हुआ। तेज हवा के चलते कुछ इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो गई। लेकिन इन सबके बीच भीषण गर्मी व लू से परेशान लोग बदले मौसम से काफी खुश नजर आए। दिन में धूप निकलने के साथ ही तापमान का पारा फिर से ऊपर चढ़ना शुरू हो गया।

अयोध्या की हार पचा नहीं पा रहे हैं लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर उलटफेर हुआ है। लेकिन लोगों की आस्था से जुड़े अयोध्या की फैजाबाद सीट से भाजपा को मिली हार चर्चा का विषय बन गई है। बस्ती सीट की जीत–हार की समीक्षा के साथ ही लोग अयोध्या में भाजपा की हार को लेकर अपना–अपना नजरिया बयां कर रहे हैं। अधिकतर लोग यह कहते मिल जा रहे हैं कि अयोध्या की हार खल गई।

चाय, पान की गुमटियों से लेकर समूह में बैठे लोगों की चर्चा का मुख्य केन्द्र लोकसभा चुनाव परिणाम रहा। कुछ लोग तो यह कहते मिले कि यहां से भले ही भाजपा हार गई, लेकिन अयोध्या से हारना ज्यादा खल रहा है। केन्द्र व प्रदेश की सरकार ने अयोध्या के लिए न केवल राम मंदिर का निर्माण कराया बल्कि प्राण–प्रतिष्ठा कराकर आमजन को सौंप दिया।

करोड़ों रुपये का पैकेज देकर अयोध्या का विकास करके विश्व पटल पर खड़ा किया। देश–विदेश से पर्यटकों को यहां आने के लिए एयरपोर्ट का निर्माण कराया। फिर भी राम नगरी से भाजपा प्रत्याशी का हार जाना समझ से परे है। पान की दुकान पर खड़े रामप्रकाश उपाध्याय कहते हैं कि बस्ती की जनता ने बदलाव की बात को लेकर वोट किया। चाय की दुकान पर बैठे रामसजीवन कहते हैं बसपा का न्यूटल हो जाने से भी भाजपा को नुकसान पहुंचा।

गर्मी से जन, पशु हानि पर मिलेगी सहायता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वर्तमान समय में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण भीषण गर्मी, गर्म हवा, लू व तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी वि./रा. कमलेश चन्द्र ने बताया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मैदानी क्षेत्रों में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान को अधिकतम तापमान माना है।

उन्होने जनपद के समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया है कि उनके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत कोई जनहानि या पशुहानि हीटवेव के कारण हो रही है, तो उस दशा में मृतक का पोस्टमार्टम अनिवार्य रूप से करायें, जिससे कि मृत्यु के कारण की पुष्टि हों सकें और यदि प्रभावित व्यक्ति की मृत्यु हीटवेव से होना प्रदर्शित होता है, तो आपदा मोचक निधि गाईडलाइन के अनुसार तत्काल अहैतुक सहायता दिया जाना सुनिश्चित करें

संसद परिसर के भीतर गांधी, अंबेडकर, छत्रपति शिवाजी की मूर्तियों को मूल स्थान से हटाये जाने पर रोष

नई दिल्ली (आभा)। संसद परिसर के भीतर महात्मा गांधी, बी आर अंबेडकर और छत्रपति शिवाजी सहित अन्य की मूर्तियों को ट्रांसफर किए जाने को लेकर बवाल मचा है। इस कदम को लेकर कांग्रेस ने तीखी आलोचना की। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा और महाराणा प्रताप की मूर्तियों को भी पुराने संसद भवन और संसद पुस्तकालय के बीच एक लॉन में ट्रांसफर कर दिया गया है। भूनिर्माण के दौरान मूर्तियों को ट्रांसफर किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्तियों को संसद भवन के सामने उनके प्रमुख स्थानों से हटा दिया गया है। यह अत्याचारपूर्ण है।'

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब महाराष्ट्र के मतदाताओं ने बीजेपी को वोट नहीं दिया तो संसद में शिवाजी और अंबेडकर की मूर्तियां उनके मूल स्थान से हटा दी गईं। उन्होंने कहा, जब उन्हें गुजरात में क्लीन स्वीप नहीं मिला तो उन्होंने संसद में महात्मा गांधी की मूर्ति को उसके मूल स्थान से हटा दिया। खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'जरा सोचो, अगर उन्हें 400 सीटें दी जातीं, तो क्या वे संविधान को बख्श देते?'

कुर्मी महासभा ने सांसद चुने जाने पर राम प्रसाद चौधरी को दिया बधाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भारतीय कुर्मी महासभा के अध्यक्ष डा. बी0के0 वर्मा के साथ पदाधिकारियों और सदस्यों ने बस्ती लोकसभा से नव निर्वाचित सांसद राम प्रसाद चौधरी से उनके निजी आवास पर मुलाकात कर बुके देकर जीत की प्रसन्नता व्यक्त किया।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने भारतीय कुर्मी महासभा पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि जितना संभव हो सकेगा वे क्षेत्र के विकास के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। सांसद राम प्रसाद चौधरी की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में कुर्मी महासभा के मंडल अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ0 हनुमान प्रसाद चौधरी, जिला महासचिव के0 सी0 चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष अशोक वर्मा , अशोक कुमार चौधरी, रामतेज चौधरी आदि शामिल रहे।

विवाह का झांसा देकर दुष्कर्मः पीड़िता ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से विवाह का झांसा देकर प्रेम करने और बाद में विवाह से इंकार और प्रेमी द्वारा शिकायत करने पर जान से मार देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गुरूवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कहा है कि लालगंज थाना क्षेत्र के सिसई बाबू निवासी प्रदीप चौधरी पुत्र शेषराम चौधरी ने वर्ष 2022 में उसे लिफ्ट देकर बस्ती पहुंचाया और फोन नम्बर ले लिया। उसके बाद दोनों में बातचीत होती रही। 1 फरवरी 2024 को प्रदीप चौधरी ने उसे कोपे गांव के बन्धे पर बुलाया और नशीली दवां सुघांकर बस्ती एक होटल में लाकर डरा धमकाकर गलत काम किया। प्रदीप ने उससे कहा कि वह उससे मुहब्बत करता है और शादी करना चाहता है। इसलिये ऐसा करना पडा।

पुलिस उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में पीड़िता ने कहा है कि उसने प्रदीप चौधरी से कहा कि कोर्ट मैरेज कर ले, वह शादी के लिये मान गये 1 फरवरी 2024 तक लगातार बात हुई अनेकों बार होटलों में ले जाकर उससे बिबाह का झांसा देकर सम्बन्ध बनाया किन्तु अब वह शादी से इंकार कर रहा है और धमकियां दे रहा है कि यदि कहीं शिकायत किया तो तुम्हें जान से मरवा देंगे। पीड़िता ने प्रदीप चौधरी, और विजय चौधरी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

शेयर बाजार के सबसे बड़े घोटाले में मोदी, शाह शामिल –राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर सरकार की ओर से की गई टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए। राहुल ने कहा, 'हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो–तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा।'

-निवेशकों को 30 करोड़ का नुकसान हुआ

अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी कहते हैं कि चार जून को स्टॉक खरीदें। 1 जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एग्जिट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा, 'ये दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपये यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।'

राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अदाणी जी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदीजी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इसे लेकर हमारे पास सवाल हैं। हम इस घोटाले को लेकर जेपीसी की मांग करते हैं। इस पूरे मामले में निवेशकों ने करोड़ों गंवाए हैं। यह एक आपराधिक कार्य था।

रायबरेली व वायनाड से विजयी सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'पहली बार हमने यह नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी दी। प्रधानमंत्री ने दो–चार बार कहा कि शेयर बाजार तेजी से बढ़ने जा रही है... उनके मैसेज को वित्त मंत्री और गृह मंत्री ने भी आगे बढ़ाया। अमित शाह कहते हैं 4 चार जून से पहले शेयर खरीदें। प्रधानमंत्री ने भी यही कहा और 28 मई को फिर से दोहराया... 3 जून को शेयर बाजार सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को शेयर बाजार नीचे चला जाता है।ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ष्भाजपा के सबसे बड़े नेताओं ने रिटेल इंवेस्टर को मैसेज दिया है... उनके पास जानकारी थी कि भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने वाला है, वे जानते थे की 3–4 जून को क्या होने वाला है... 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और हजारों–लाखों करोड़ रुपए का चुने हुए लोगों को फायदा हुआ है, हम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, जिन्होंने एग्जिट पोल किया उनपर और विदेशी निवेशकों पर जांच चाहते हैं।'

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सीएम योगी ने किया समीक्षाः दिये निर्देश

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद सीएम योगी, प्रदेश अध्यक्ष समेत दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली बुलाए गए हैं। हालांकि दिल्ली जाने से पहले सीएम योगी एक्शन फॉम में नजर आए। सीएम योगी ने तुरंत प्रदेश के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मीटिंग के लिए बुला लिया। सीएम योगी ने अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर लोकहित से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। यूपी सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि इस उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति और भावी कार्ययोजनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान सीएम योगी विकास कार्यों की जानकारी ली। सीएम योगी ने इस दौरान बरसात से निपटने की व्यवस्थाओं को भी जाना। मीटिंग में सीएम योगी ने बालू, मौरंग, गिट्टी से संबंधित भी अफसरों को जरूरी निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी हर व्यवस्था, हर परियोजना, प्रत्येक प्रकरण के लिए उनकी जवाबदेही है, इसलिए समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। अधिकारी विभागीय मंत्रियों के साथ बेहतर तालमेल बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि जिन विभागों में नियुक्ति की जानी हैं, वहां से सम्बन्धित आयोगों को फौरन मांग भेजी जाए तथा चयन प्रक्रिया की समय–सीमा तय की जाए। आदित्यनाथ ने कहा, वित्तीय वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में तय धनराशि का समुचित खर्च सुनिश्चित किया जाए। जीएसटी संग्रह के प्रयासों को तेज करने की जरूरत है...क्षेत्र में तैनात अधिकारियों को लक्ष्य दें तथा उनके प्रदर्शन को ही उनकी पदोन्नति और तैनाती का आधार बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी के मद्देनजर पूरे प्रदेश में कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं करने की हिदायत देते हुए कहा कि ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने और 'ट्रिपिंग' जैसी समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया जाए। मीटिंग में सीएम योगी ने बरसात से निपटने के लिए अफसरों से प्लान बनाने को कहा। साथ ही नालों की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलिन बस्तियों में साफ–सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। नियमित 'फॉगिंग' कराने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, बरसात के मौसम में संचारी रोगों के प्रसार की सर्वाधिक आंशका होती है, इसके मद्देनजर समय से पूरी तैयारी कर लें। चिकित्सकों के साथ–साथ आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का भी पूरा सहयोग लें। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के भी प्रयास हों। आदित्यनाथ ने बालू, मौरंग और गिट्टी जैसे उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने एक जिला–एक मेडिकल कॉलेज अभियान के तहत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयबद्धता सुनिश्चित कराने और उसकी साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि प्राचार्यों और अन्य स्टाफ के चयन में केवल योग्यता को ही मानक बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर स्थिति में यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना पेराई का नया सत्र प्रारंभ होने से पहले पिछले सत्र के सारे बकाए का भुगतान हो जाए। उन्होंने कहा कि गन्ना उन्हीं मिलों को उपलब्ध कराया जाए, जिनका भुगतान रिकॉर्ड अच्छा हो। आदित्यनाथ ने माध्यमिक विद्यालयों के कायाकल्प का अभियान तेज करने को भी कहा। उन्होंने अमृतसर–कोलकाता औद्योगिक गलियारे का जिक्र करते हुए कहा कि इस परियोजना के लिए भूमि की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई समेत सभी शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक कैलेंडर इस प्रकार तैयार किए जाएं जिससे सभी आवश्यक परीक्षाएं 10 मई तक सम्पन्न हो जाएं। उन्होंने भीषण गर्मी में परीक्षाओं के आयोजन से परहेज करने को कहा।

महिला सीआईएसएफ कर्मी ने कंगना रनौत को जड़ दिया थप्पड़

चंडीगढ़ (आभा)। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को एक महिला सीआईएसएफ कर्मी ने थप्पड़ जड़ दिया। महिला कंगना रनौत के किसान आंदोलन के समय दिए गए बयान से नाराज थी। उन्होंने बताया कि उनकी मां भी किसान आंदोलन के दौरान विरोध प्रदर्शन के लिए बैठी थीं। कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के बाद बैष्ठ कर्मी कुलविंदर कौर ने कहा, श्उन्होंने बयान दिया था कि किसान 100 रुपये के लिए वहां बैठे हैं। क्या वह वहां जाकर बैठेंगी? मेरी मां वहां बैठी थीं और विरोध कर रही थीं जब उन्होंने यह बयान दिया।' वहीं, कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के बाद कुलविंदर कौर को सस्पेंड कर दिया गया है।

एक सीनियर सीआईएसएफ अधिकारी ने मामले पर बात करते हुए कहा कि महिला कॉन्स्टेबल के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत करते हुए एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके साथ ही उन्हें सस्पेंड भी कर दिया गया है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना के विमान में सवार होने से पहले हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मी ने एक्ट्रेस को थप्पड़ मारा। कंगना ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली–गलौज की। कंगना ने 'पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि' शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया।

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं। कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई। कंगना ने कहा, 'उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी।' उन्होंने कहा, 'जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है।' हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वाली कंगना ने कांग्रेस के प्रत्याशी को 74 हजार मतों से शिकस्त दी थी।

शिक्षक, शिक्षा मित्रों के वेतन, मानदेय बहाली के लिये सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि चुनाव डियूटी के दौरान विषम परिस्थितियों में अनुपस्थित रहने वाले 96 शिक्षक और शिक्षा मित्रों के वेतन और मानदेय को बहाल किया जाय। इसी क्रम में सोनहा थाना क्षेत्र के खैरा टोला मधुनगर निवासी सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय जिनकी ईवीएम जमा कराते समय तबियत बिगड़ने से मौत हो गई थी उनके परिजनों को शासन द्वारा निर्धारित समस्त देयकों को भुगतान कराया जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि शिक्षक और शिक्षा मित्रों के वेतन और मानदेय को स्पष्टीकरण के आधार पर बहाल करा दिया जायेगा।

संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों ने सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय के परिजनों को समस्त देयकों के भुगतान हेतु डीएम से मिलकर ज्ञापन दिया था। अभी इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पायी है। संघ कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि संगठन और शिक्षकों की ओर से चुनाव डियूटी के दौरान जान गंवाने वाले सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय की पत्नी को एक लाख 10 हजार रूपये की राशि उपलब्ध कराया गया है। दुःखी परिवार को जब तक समस्त सुविधा नहीं मिल जाती संघ निरन्तर सक्रिय रहेगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, के साथ ही संजय यादव, सुरेश गौड़, मुरलीधर, अखिलेश पाण्डेय, आशीष दूबे, अमित सिंह, सनद पटेल, सन्तोष पाण्डेय, विवेक प्रताप सिंह के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 जून 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

गठबंधन की डगर पर देश

केन्द्र में बैशाखी एनडीए गठबंधन या डील की सरकार को चलाना मोदी जैसे व्यक्तित्व के लिये आसान नहीं है। शपथ ग्रहण के पूर्व ही जद यू ने अग्निवीर को वापस करने का मामला उठा दिया है। निश्चित तौर पर नीतीश कुमार और चन्द्रबाबू नायडू मंत्रिमण्डल में महत्वपूर्ण विभाग भी मांगेगे ही, ऐसे में यह सरकार कब तक और कितना चल पायेगी इसके लिये तो इन्तजार करना होगा किन्तु मतदाताओं ने जिस प्रकार से उलझाया है ऐसे में मोदी की तीसरी पारी को मंजिल तक पहुंचा पाना आसान नहीं है। फिलवक्त अभी इंतजार करना होगा किन्तु लक्षण अभी से दिखने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव का शोर–शराबा खत्म हो गया है और अगले कुछ दिनों में नई सरकार आने वाली है, अब हर किसी के लिए शांत होने का समय आ गया है। रिकॉर्ड डेढ़ महीने तक चले व्यस्त चुनाव अभियान के दौरान उत्पन्न कड़वाहट को अब पारस्परिक रूप से सम्मानजनक और सकारात्मक भावनाओं का रास्ता देना चाहिए और हर किसी को राष्ट्र निर्माण के कार्य में लग जाना चाहिए। उम्मीद है कि हिंदू–मुस्लिम कार्ड, जिसने चुनाव अभियान को प्रभावित किया, हमेशा के लिए दफन हो जाएगा और हम एक विकसित भारत की दिशा में काम करेंगे। सरकार और विपक्ष को अब एक–दूसरे के प्रति उचित सम्मान और आदर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। नई सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह सकारात्मक शुरूआत करे और चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए आरोपों या कहे गए कठोर शब्दों के लिए 'हिसाब बराबर' करने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध में शामिल न हो।

दांव बहुत ऊंचे थे और इसलिए नेताओं ने तथ्यों की पुष्टि किए बिना या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के शब्दों को तोड़–मरोड़कर पेश किए बिना ही एक–दूसरे के खिलाफ कदम बढ़ा दिए और एक–दूसरे पर आरोप लगाए। नई सरकार ने अपने लिए कार्य निर्धारित कर लिया है। हालांकि राष्ट्र ने प्रगति की है, विशेषकर बुनियादी ढांचे और कनैक्टिविटी के क्षेत्रों में। इसे अभी भी कुछ गंभीर समस्याओं से जूझना बाकी है। इसकी शुरूआत अच्छी खबर के साथ हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सकल घरेलू उत्पाद को इस साल फरवरी में जारी 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से बढ़ाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस बीच, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वास्तविक सकल मूल्यवर्धित (जी.वी.ए.)यह वित्त वर्ष 2024 में 7.2 प्रतिशत हो गया जो 2022–23 में 6.7 प्रतिशत था। कृषि क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.)ने प्रभावशाली 8.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जो दशकीय औसत 4.4 प्रतिशत से काफी नीचे 1.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। हालांकि नई व्यवस्था के लिए असली चुनौती विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर उपाय करके विकास के स्तर को बनाए रखना होगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आर्थिक विकास का लाभ व्यापक रूप से सबको मिले।

लेकिन सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रोजगार पैदा करना और युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना है। सैंटर फॉर मॉनिटरिंग द इंडियन इकोनॉमी (सी.एम.आई.ई.) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर मार्च 2024 में 7.4 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल 2024 में 8.1 प्रतिशत हो गई। शहरी भारत के साथ–साथ ग्रामीण भारत में भी बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी का तनाव मनरेगा नौकरियों की भारी मांग में परिलक्षित होता है।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने कहा है कि सी.एम.आई.ई. डाटा से पता चलता है कि युवा बेरोजगारी दर 45.4 प्रतिशत के खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। इससे गहरा नुकसान हो रहा है। देश की खातिर हमें नारों के पीछे नहीं छिपना चाहिए बल्कि राजनीति को किनारे रख सुधारात्मक कदम उठाने चाहिएं।

हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने बताया है कि 45.4 प्रतिशत का यह आंकड़ा 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं से संबंधित है। लेकिन तथ्य यह है कि पिछले 10 वर्षों में बेरोजगारी वास्तव में बढ़ी है और लगभग कोई नई नौकरियां पैदा नहीं हुई हैं। युवा बेचैन हो रहे हैं और झपटमारी, डकैती और चोरी जैसे अपराधों में वृद्धि हो रही है। नई सरकार को मध्यम और लघु उद्यमों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो 10 मिलियन से अधिक नौकरियां प्रदान करते हैं और जिन्हें नोटबंदी, जी.एस.टी. की शुरूआत और अंततः कोविड महामारी के कारण भारी झटका लगा है। प्रमुख दक्षता का दूसरा क्षेत्र कृषि क्षेत्र है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है और कृषि को आधुनिक बनाने तथा सब्जियों, अनाजों और फलों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाने चाहिएं।

जलवायु परिवर्तन और बिजली की कमी एक अन्य क्षेत्र है जिसके लिए सकारात्मक सरकारी नीतियों की आवश्यकता है। वर्तमान गर्मी की लहर और बिजली की मांग में तेज वृद्धि भविष्य की जरूरतों का संकेत है। अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को स्कूलों और उच्च शिक्षा, और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं दोनों स्तरों पर शिक्षा के मानकों में सुधार पर ध्यान देना चाहिए। देश अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए नई सरकार की ओर देख रहा है।

बीजेपी के हिन्दुत्व पर भारी पड़ी सपा, कांग्रेस

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यूपी में खराब परफारमेंस की वजह से बीजेपी केन्द्र में अपने दम पर बहुमत का भी आकड़ा नहीं पा कर पाई। भले ही एनडीए के तौर पर उसकी सरकार बनना तय लग है, लेकिन अबकी से उसके सामने चुनौती बड़ी होगी। बीजेपी का यह सारा खेल यूपी ने बिगाड़ा है। 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद जिस तरह से अप्रत्याशित तरीके से बीजेपी आलकमान द्वारा योगी को यूपी का सीएम बनाया गया था, उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधान सभा चुनाव में मोदी के साथ योगी का भी सिक्का खूब चला। यहां कोई भी चुनाव होता मोदी आगे तो योगी उनके पीछे नजर आते थे। अपने बल पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ का जादू अबकी लोकसभा चुनाव में क्यों नहीं चला यह यक्ष प्रश्न है। कहा यह भी जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के पिछड़ा– दलित– अल्पसंख्यक (पीडीए) फार्मूला ने बीजेपी के हिन्दुत्व को हासिये पर ढकेल दिया। जबकि जमीनी हकीकत यही है कि यूपी की सियासी पिच पर भले योगी मात खा गये हों, लेकिन उनकी सरकार के कामकाज को लेकर किसी को कोई खास नाराजगी नहीं है। आज भी प्रदेश में लॉ एंड आर्डर के कारण उनकी छवि काफी बड़ी दिखती है। विकास के कार्य भी ठीकठाक चल रहे थे, ऐसे में यही कहा जा सकता है कि शायद योगी अपनी बात को मतदाताओं के सामने उतने सही तरीके से नहीं जैसा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव करने में सफल रहे। वहीं बसपा के वोटर को भी जब इस बात का अहसास हुआ कि बहनजी अबकी से रेस में नहीं है तो उसने भाजपा की जगह समाजवादी पार्टी का साथ ज्यादा पसंद किया, यह भी बीजेपी के लिये माइनस प्वाइंट रहा। इसकी वजह भी साफ है। दलित और उसके साथ पिछड़ों को भी इस बात का विश्वास हो गया था कि यदि मोदी मजबूत हुए तो उनका आरक्षण खत्म हो जायेगा।

बहरहाल, योगी की भविष्य की राजनीति पर लोकसभा चुनाव के नतीजे का प्रभाव पड़ना निश्चित है। एक तरफ विपक्ष उनके खिलाफ ज्यादा हमलावर होगा तो पार्टी के भीतर से भी उनके खिलाफ आवाज उठने लगेंगी। क्योंकि अक्सर ऐसी खबरें आती थीं कि योगी राज में बीजेपी के जनप्रतिनिधियों को कोई महत्व नहीं मिल रहा था और इसकी बड़ी वजह योगी को समझा जाता था। यहां तक की चौकी–थाने तक में बीजेपी नेताओं और पार्षदों की बात तो दूर विधायकों और सांसदों तक की नहीं सुनी जाती थी। यूपी में भाजपा के साथ–साथ उसके सहयोगी दलों को भी झटका लगता है। सुभासपा के बढ़ बोले नेता ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे को चुनाव नहीं जिता पाये तो संजय निषाद की पार्टी का भी एक सीट पर खाता नहीं खुला। हॉ, राष्ट्रीय लोकदल अपनी दो और अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से चुनाव जीत गई हैं। वहीं, सुभासपा को घोसी लोकसभा सीट पर झटका लगा है। इंडिया गठबंधन प्रदेश की 80 में से 43 सीटें जीतने में सफल रहा। इसमें सपा की 37 सीटों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कांग्रेस को भी 6 सीटों पर जीत हासिल हुई, लेकिन इसका श्रेय भी अखिलेश को ही दिया जा रहा है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व में एनडीए 36 सीटों पर ही हासिल कर पाई,जिसमें भाजपा की 33 सीटें थीं। यूपी में उसके सात केन्द्रीय मंत्री चुनाव हार गये। एक सीट पर आजाद समाज पार्टी को जीत हासिल हुई।

दस वर्षो गे बाद अबकी से यूपी के वोटिंग पैटर्न में बड़ा बदलाव देखने को मिला। भाजपा बड़े स्तर पर पिछड़ी, यह तो सबने देखा, परंतु क्यों पिछड़ी इसको लेकर उसके अंदर भी दुविधा नजर आ रही है। जो बीजेपी 2019 में यूपी में 63 सीटें जीती थीं जो अबकी से वह 33 पर सिमट गई। पार्टी को 30 से सीटों का का नुकसान एठाना पड़ा। वहीं, कांग्रेस का आकड़ा एक से छह पर पहुंच गया है। 2009 के लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार कांग्रेस ने प्रदेश में बढ़त बनाई है। वहीं, समाजवादी पार्टी अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने में कामयाब रही है। 1992 में समाजवादी पार्टी के गठन के बाद से अब तक का यह उसका सबसे शानदार प्रदर्शन था। इतना बेहतर प्रदर्शन तो किसी भी लोकसभा चुनाव में स्वयं मुलायम सिंह यादव तक नहीं कर पाये थे। इससे पूर्व 2004 में सपा ने 35 सीटें जीती थीं। इससे यही लगता है कि इंडिया गठबंधन अपनी रणनीति बेहतर तरीके से जमीन पर उतरने में सफल रही। वहीं, भाजपा के पक्ष में माहौल बनता नहीं दिख पाया। ऐसे में भाजपा प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की रणनीति पर काम कर सकता है। इस पर चर्चा शुरू हो गई है, लेकिन यह चर्चा हवा–हवाई ज्यादा लगती है।

यह वह चर्चा है जिसे आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने सबसे पहले हवा दी थी। उन्होंने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में सत्ता परिवर्तन होगा। योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद से हटाए जाएंगे। लखनऊ में इंडिया गठबंधन के प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर बड़ा दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए थे। उन्होंने मुझे गालियां दीं। योगी जी, मैं आपसे विनम्रता से कहना चाहता हूं कि आपके असली दुश्मन आपकी ही पार्टी में हैं। भाजपा में अपने दुश्मनों से लड़िए। आप केजरीवाल को गाली क्यों दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आपको हटाना चाहते हैं। आपको यूपी के सीएम की कुर्सी से हटाने की पूरी तैयारी चल रही है। आप उनसे निपटिए। केजरीवाल ने लोगों से कहा था कि इंडिया को बचाना है तो इंडिया गठबंधन को जिताना है।

खैर, योगी से इत्तर बात बसपा की भी जरूरी है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती की पार्टी की कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है। बसपा को किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली। यूपी में बसपा की सुप्रीमों मायावती को दलितों की एकमात्र राजनीतिक मसीहा माना जाता रहा है। उनके इशारे पर दलितों का वोट पड़ता रहा है। मगर इस बार हालात इसके कुछ अलग दिखाई दिया। कभी मायावती के एक इशारे पर यूपी का 17 फीसदी दलित वोट बैंक वोटिंग के लिए तत्पर रहता था। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बसपा के टिकट को हासिल करने के लिए उम्मीदवारों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। कई बार तो मायावती पर टिकट को बेचने के आरोप भी लगे। मगर इसके बावजूद बसपा के कोर वोट बैंक को कोई खास असर नहीं पड़ा। फिलहाल इस बार के नतीजों से कुछ अलग ही हालात सामने आ रहे हैं। इस बार मायावती का वोट बैंक उनके साथ नहीं रहा है। इस बार दलित वर्ग के पढ़े–लिखे नौजवानों का एक तबका इस बात से पूरी तरह सहमत था कि बीजेपी को हराने के लिए बसपा को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा होना चाहिए था. जब ऐसा नहीं हुआ तो इन लोगों ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट देने का फैसला किया. इससे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को ऐसी सफलता मिली है, जिसकी उनको उम्मीद भी नहीं थी। इस तरह देखा जाए तो मायावती की राजनीतिक पकड़ फिलहाल अपने कोर वोट बैंक पर कमजोर होती दिख रही है।

आमतौर पर बीएसपी को विपक्ष भाजपा की बी टीम कहकर टार्गेट करता रहा है पर कहानी कुछ और ही चल रही थी। पश्चिम से पूरब तक मायावती ने ऐसे कैंडिडेट खड़े किए जो एनडीए कैंडिडेट्स को ही नुकसान पहुंचा रहे थे। पश्चिमी यूपी में मेरठ में देवव्रत त्यागी, मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, खीरी सीट से बीएसपी का पंजाबी प्रत्याशी आदि बीजेपी को सीधे नुकसान पहुंचा रहे थे। इसी तरह पूर्वी यूपी में घोसी में बीएसपी ने जो कैंडिडेट दिया। वह सीधा इशारा था कि पार्टी ने एनडीए का काम खराब करने का ठेका ले लिया है। घोसी सीट पर बालकृष्ण चौहान ने एनडीए की 2 साल पुरानी तैयारी को ही पलीता लगा दिया। यहां पर बीजेपी ने स्थानीय नोनिया नेता दारा सिंह चौहान को समाजवादी पार्टी से इसलिए ही लाए गए थे कि उनका लाभ घोसी और आसपास की सीटों पर लिया जा सके. पर जब बीएसपी ने एक नोनिया जाति के कैंडिडेट बालकृष्ण चौहान का खड़ा कर दिया तो जाहिर है कि एनडीए का काम खराब होना ही था। इसी तरह चंदौली में बीएसपी उम्मीदवार सतेंद्र कुमार मौर्या बीजेपी उम्मीदवार महेंद्रनाथ पांडेय के लिए खतरा बन गए। इसी तरह बहुजन समाज पार्टी के मनीष त्रिपाठी मिर्जापुर में अनुप्रिया पटेल को त्रिकोणीय मुकाबले में फंसा दिए.वह तो अंत समय में सीट निकालने में किसी तरह सफल हो गईं। पूरे प्रदेश में दो दर्जन ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी कैंडिडेट के वोट बीएसपी कैंडिडेट के चलते कम हो गये।

वोटकटवा बनकर रह गई बसपा

—नीरज कुमार दुबे—

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती एक समय उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाती थीं लेकिन समय ने ऐसी करवट बदली कि अब बसपा सिर्फ वोट कटवा पार्टी बन कर रह गयी है। अपनी शर्तों पर राजनीति करतीं रहीं मायावती की पार्टी का उत्तर प्रदेश में मात्र एक विधायक है जबकि कभी यहां उनके पास पूर्ण बहुमत हुआ करता था। मायावती ने चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री का पद संभाला लेकिन आज वह अपनी पार्टी को नहीं संभाल पा रही हैं। चुनाव विधानसभा के हों या लोकसभा के, मायावती और बसपा जिस बेमन से चुनाव लड़ते हैं उससे आरोप लगता है कि वह भाजपा की बी टीम हैं। जब अन्य दलों की तीन–चार दर्जन रैलियां हो जाती हैं तब मायावती प्रचार के लिए निकलती हैं।

इसके अलावा, हाल के वर्षों में खासकर उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के उपचुनावों के समय बसपा ने कई जगह ऐसे उम्मीदवार दिये जोकि विपक्षी मतों का विभाजन करवा कर भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर सके। इस बार के लोकसभा चुनावों से पहले मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया गया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। उत्तर प्रदेश में जिस तरह इंडिया गठबंधन की जीत हुई है उससे प्रतीत होता है कि यदि मायावती ने इंडिया गठबंधन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो भाजपा को और भी नीचे लाया जा सकता था। मायावती ने जब इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय किया था तब भी कहा गया था कि ऐसा वह भाजपा के दबाव में कर रही हैं। यही नहीं उनके उत्तराधिकारी और भतीजे आकाश आनंद ने जब लोकसभा चुनाव प्रचार में धुआंधार रैलिया करनी शुरू कीं और उन्हें मीडिया भी तवज्जो देने लगा तो एकदम से आकाश आनंद के पर इस बात को लेकर कतर दिये गये कि उन्होंने एक रैली में हिंसा भड़काने जैसा बयान दिया। देखा जाये तो आकाश आनंद ने जो कहा था वह

अब जबकि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं तो एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि मायावती की ओर से अकेले लड़ने का निर्णय संभवतः भाजपा की मदद करने के लिए किया गया था। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में भले एक भी लोकसभा सीट नहीं जीती हो लेकिन उसने 16 सीटों पर दूसरों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। 16 सीटों पर बसपा को जितने वोट मिले हैं वो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों की हार और जीत के अंतर से ज्यादा हैं। यह सभी 16 सीटें एनडीए के खाते में गयी हैं।

गलत था लेकिन चुनावी रैलियों के दौरान विभिन्न दलों के नेता आकाश आनंद से भी ज्यादा बढ़–चढ़कर बातें कह रहे थे।

अब जबकि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं तो एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि मायावती की ओर से अकेले लड़ने का निर्णय संभवतः भाजपा की मदद करने के लिए किया गया था। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में भले एक भी लोकसभा सीट नहीं जीती हो लेकिन उसने 16 सीटों पर दूसरों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। 16 सीटों पर बसपा को जितने वोट मिले हैं वो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों की हार और जीत के अंतर से ज्यादा हैं। यह सभी 16 सीटें एनडीए के खाते में गयी हैं। इनमें से 14 सीटें भाजपा के पास हैं। एक सीट राष्ट्रीय लोक दल के पास और एक सीट अपना दल (सोनेलाल) के पास गयी है। कल्पना कीजिये कि यदि मायावती के उम्मीदवार मैदान में नहीं होते तो भाजपा को 240 की जगह 226 सीटें ही मिली होतीं और एनडीए का कुल आंकड़ा भी 278 सीटों का ही होता। आज उत्तर प्रदेश में भाजपा जो 33 सीटें लेकर आई है यदि मायावती के उम्मीदवार नहीं होते तो यह नंबर 19 हो सकता था। मायावती ने भाजपा की किस तरह मदद की इसको समझने के लिए उत्तर प्रदेश की भदोही सीट को देखें जहां पर बसपा प्रत्याशी को 1.6 लाख वोट मिले जिसने भाजपा उम्मीदवार डॉ. विनोद कुमार बिंद की जीत का रास्ता साफ कर दिया। इसी प्रकार मिर्जापुर में अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल 37810 वोटों से जीत पाईं क्योंकि बसपा के मनीष कुमार ने 1.4 लाख वोट लेकर सपा उम्मीदवार का खेल बिगाड़ दिया। मायावती के कारण इंडिया गठबंधन के खाते में आने से जो सीटें रह गयीं उनमें अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सीकरी, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, मिश्रिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव सीटें शामिल हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान भी निचले स्तर तक यह संदेश पहुँचा था कि मायावती ने अपने वोटबैंक को भाजपा की मदद करने के लिए कहा है। हालांकि इस संदेश की सत्यता प्रमाणित नहीं हो पाई थी लेकिन इसने भाजपा को भारी लाभ पहुँचाया था।

बहरहाल, यह चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि बसपा का कोर वोट बैंक दलित और जाटव अब इंडिया गठबंधन की ओर जा रहा है। बसपा के वोट बैंक में तीन फीसदी की गिरावट इस बात की जरूरत पर जोर देती है कि पार्टी नेतृत्व को अब गंभीरता से अपने भविष्य पर विचार करना चाहिए। पिछले लोकसभा चुनावों में मिली 10 सीटों की बजाय बसपा का इस बार शून्य पर सिमटना, ज्यादातर बसपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त होना और बसपा की सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले की हवा निकलने से मायावती का भड़कना भी स्वाभाविक है।

मायावती को चूंकि इस बार मुस्लिमों का वोट बिल्कुल नहीं मिला है इसलिए उनका आहत होना भी स्वाभाविक है लेकिन उनका सार्वजनिक रूप से किसी कौम को यह कहना गलत है कि कि वोट नहीं देने वालों को हम भविष्य में सोच समझ कर मौका देंगे। मायावती का यह बयान यह भी दर्शाता है कि वह भी उन नेताओं में शामिल हैं जो तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। देखा जाये तो तुष्टिकरण की राजनीति के लाभ अल्पकालिक ही होते हैं जिसने भी इसे अपनी राजनीति का आधार बनाया है उसकी जमीन एक ना एक दिन खिसकी ही है।

हिन्दी पट्टी में कांग्रेस का उत्थान

—के.एस. तोमर—

2024 का संसदीय चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए वरदान साबित हुआ है क्योंकि यह उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा आदि में पुनरुत्थान के एक नए युग की शुरूआत करता है, जिसका श्रेय भाजपा के प्रचार अभियान की विभाजनकारी प्रकृति और हिंदुत्व पर ध्यान केंद्रित करने को दिया जा रहा है। किसानों, ग्रामीण संकट, आम लोगों की परेशानियां, बेरोजगार युवाओं की समस्या, आसमान छूती कीमतें आदि की अनदेखी की जाती रही है। पंजाब और पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लडने के कांग्रेस पार्टी के फैसले का उसे भरपूर लाभ मिला क्योंकि आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने सीधे तौर पर भगवा पार्टी के प्रदर्शन को प्रभावित किया। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 6 सीटें जीतीं और इसका पुनरुत्थान पार्टी कार्यकर्त्ताओं को फिर से जीवंत कर देगा, जो सबसे पुरानी पार्टी के प्रदर्शन में लगातार गिरावट देख रहे हैं। अखिलेश यादव यू.पी. में गठबंधन के पूरे गेम प्लान के 'सुपर हीरो' हैं क्योंकि उन्होंने गैर यादव उम्मीदवारों को प्राथमिकता देकर बगावत करते हुए सोशल इंजीनियरिंग की और 17 टिकट दलितों को और 5 टिकट केवल यादवों को आबंटित किए।

यह भाजपा के 'चाणक्य' अमित शाह का डोमेन था, जिसे समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश ने पूरी तरह से क्रियान्वित किया जिससे कांग्रेस को भी मदद मिली। अखिलेश–राहुल की 'जोड़ी' विजयी हुई। हालांकि भाजपा ने हमेशा इनके पहले के असफल प्रवास का हवाला देते हुए इन दोनों का मजाक उड़ाया था। योगी का 'बुल्डोजर राज' मुसलमानों को अलग–थलग करने के लिए जिम्मेदार है और मोदी के 'करिश्मे' पर आलाकमान का अति–विश्वास वांछित परिणाम देने में विफल रहा।

मोदी को गठबंधन सहयोगियों को एकजुट करने के लिए अपने राजनीतिक करियर की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि चंद्र बाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलगू देशम पार्टी (तेदेपा) और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'किंग मेकर' के रूप में उभरे हैं भाजपा से सत्ता छीन सकते हैं। दूसरा, भाजपा ने अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान कभी भी अपने सहयोगियों को महत्व नहीं दिया और यहां तक कि चुनाव भी मोदी ब्रांड की गारंटी पर केंद्रित रहा।

अब नव–निर्वाचित सांसदों के शपथ लेने के बाद संसद में टकराव अलग होगा क्योंकि भाजपा की चिल्लाने वाली ब्रिगेड का मुकाबला करने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के पास 234 की मजबूत ताकत होगी। राजग का 10 वर्षों के दौरान प्रचंड बहुमत के साथ बोलबाला था। सत्तारूढ़ दल को लोकसभा को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक रणनीति बनानी होगी, जिसकी आवश्यकता तब नहीं थी जब भाजपा और उसके सहयोगी दलों का शासन था। तीसरा, विपक्ष ने 'अग्निवीर' योजना का भरपूर फायदा उठाया, जिसकी समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है, खासकर तब जब कई सेवानिवृत्त जनरलों ने सेना में अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता के बारे में अपनी आशंकाओं का अनुभव किया है। नई सरकार को अपने मापदंडों में संशोधन करने के लिए विपक्ष और सेवानिवृत्त सेना जनरलों के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। चौथा, इन चुनावों में बड़े झटके को देखते हुए, अर्थशास्त्रियों का कहना है कि मोदी सरकार अधिक मुफ्त सुविधाओं पर विचार कर सकती है जो अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर सकती है।

अपनी जमीन से मांस काटने का जताया विरोध, मनबढ़ों ने दौड़ाकर लाठी-डंडों से पीटा, वीडियो वायरल

संवाददाता—देवरिया। भटनी क्षेत्र के खोरीबारी रामपुर चौराहे पर अपनी जमीन से मुर्गा की दुकान हटाने और मांस काटने के विरोध पर बृहस्पतिवार को मनबढ़ों ने पीड़ित व उसके परिजनों को लाठी डंडे से दौड़ाकर पीटा। लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मौके से जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस घायलों को सीएचसी ले आई जहां उनका इलाज कराया गया। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में एक समुदाय के लोगों में आरोपियों के प्रति खासा नाराजगी व्याप्त है। एहतियातन खोरीबारी रामपुर चौराहे पर पुलिस की टीम सक्रिय है।

भटनी के खोरीबारी गांव निवासी बनारसी गोंड़ की खोरीबारी—रामपुर चौराहे पर जमीन है। खाली जमीन देख क्षेत्र के ही एक परिवार के लोग वहां मुर्गा की दुकान और मांस काटकर बेचते है। बृहस्पतिवार सुबह करीब दस बजे बनारसी गोंड़ ने अपनी जमीन से मुर्गा की दुकान हटाने और मांस काटने से मना किया। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इसी दौरान आरोपियों ने गोलबंद होकर पीड़ित को लाठी डंडों से पीटने लगे। जानकारी पर बीच—बचाव करने पहुंचे परिजनों को भी आरोपियों ने चौराहे पर दौड़ाकर पिटाई कर दी, जिससे चौराहे पर अफरा—तफरी का माहौल हो गया। दुकानदारों के बीचबचाव करने पर आरोपी देख लेने की बात कहते हुए चले गए। शिकायत पर पहुंची पुलिस तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुट गई। इसी बीच मौके पर मौजूद किसी दुकानदार ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो वायरल होने के बाद एक समुदाय में इस घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। सीओ शिव प्रताप सिंह ने बताया कि मारपीट के तीन कथोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। एसओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि किसी के मर्जी के बिना उसकी जमीन पर दुकान चलाना गलत है। मारपीट करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भारत– नेपाल सीमा पर 62.51 लाख की नगदी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। जिले के रुपईडीहा भारत— नेपाल सीमा पर पुलिस और एसटीएफ जांच कर रही थी। इस दौरान सीमा पर दो लोग संदिग्ध अवस्था में दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ के बाद शंका होने पर तलाशी लिया तो उनके पास से 62.51 नगदी बरामद हुआ। पुलिस ने पैसों के विषय में उनसे पूछताछ की तो दोनों लोग इसका कोई समुचित जवाब नहीं दे पाए। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बहराइच जिले के भारत नेपाल बॉर्डर रुपईडीहा पर बुधवार को एसटीएफ और पुलिस संयुक्त रूप से जांच कर रही थी। पुलिस को संदिग्ध अवस्था में दो लोग दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ किया तो वह लोग कुछ घबराए हुए दिखाई पड़े। पुलिस को शंका हुई तो उनके बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग 62.51 लाख रुपए की नगदी बरामद हुई। पुलिस ने रुपया के विषय में जानकारी लिया तो दोनों व्यक्ति कुछ भी नहीं बता सके। इसके बाद पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर रुपईडीहा थाने ले गई। जहां पर क्षेत्राधिकारी और पुलिस टीम ने उनसे पूछताछ किया। इस संबंध में सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि जिले के दो लोगों को नकदी के साथ पकड़ गया है। नकदी की गिनती की जा रही है। जांच के बाद सभी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर में पोछा लगाते समय युवती को लगा करंट

संवाददाता—श्रावस्ती। पोछा लगाते समय एक युवती करंट की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में युवती को सीएचसी में भर्ती कराया गया। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम घोरमा कालोनी निवासी पिंकी देवी (20) पुत्री राकेश कुमार गुरुवार को घर में पोछा लगा रही थी। इस दौरान फर्श पर बिजली का तार कटा पड़ा था। पोछा लगाते समय पिंकी करंट की चपेट में आ गई। चिल्लाने पर परिजन मौके पर पहुंचे और फर्श से तार को अलग किया। इसके बाद पिंकी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति ठीक बताई जा रही है।

पत्नी को लेने ससुराल गए युवक ने पिया विषाक्त पदार्थ

संवाददाता—श्रावस्ती। पत्नी को लेने ससुराल गए एक युवक का ससुराल वालों से कुछ विवाद हो गया। जिससे नाराज होकर युवक ने विषाक्त पदार्थ पी लिया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर बनी हुई है। गिलौला थाना क्षेत्र के पचदेवरी गांव निवासी अमरेश कुमार (22) पुत्र प्यारे लाल की ससुराल इसी थाना क्षेत्र के कोट मुबारकपुर में है। अमरेश के साले का सड़क दुर्घटना में पर टूट गया था। इस पर उसकी पत्नी अपने भाई को देखने गई थी। अमरेश पत्नी को लेने बुधवार को ससुराल गया था। जहां पत्नी को भेजने को लेकर ससुराल वालों से कुछ विवाद हो गया। इससे नाराज होकर अमरेश वहां से चला आया और रास्ते में विषाक्त पदार्थ पी लिया। इसके बाद घर आया। जहां पर उसकी हालत बिगड़ गई। हालत बिगड़ देख परिजनों की ओर से आनन फानन में अमरेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला में भर्ती कराया। जहां इलाज चल रहा है और हालत गंभीर बनी हुई है।

तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार,चोरी का माल नगदी बरामद, पोल खुली तो दंग रह गई पुलिस

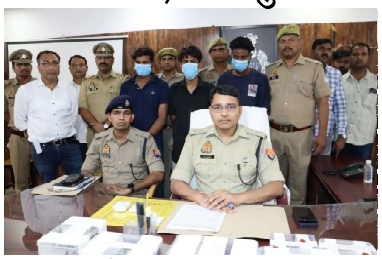

संवाददाता—गोण्डा। पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 24 हजार रुपए नकदी एप्पल का मोबाइल फोन, बाइक तमंचा बरामद कर आरोपियों को जेल भेज दिया है। लूट के तरीके जानकर पुलिस भी दंग रह गई।

बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से एप्पल मोबाइल फोन, नगदी आधार कार्ड छीनकर फरार हो गए थे। पीड़ित ने इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। पुलिस और एसओजी टीम के संयुक्त प्रयास से तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से मोबाइल फोन 24 हजार रुपए नगद दो देसी तमंचा एक बाइक बरामद किया है। गोंडा जिले के धानेपुर इलाके में बाइक सवार लुटेरों ने एक व्यक्ति से एप्पल का फोन आधार कार्ड लूट कर फरार हो गए थे। पीड़ित ने इसकी शिकायत धानेपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ किया तो पता चला कि इन लोगों का एक संगठित गिरोह है। जिसका मुख्य सरगना आकाश यादव है। हालांकि आकाश यादव अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इन लुटेरों ने कई लूट की घटना का खुलासा किया। लूट करने के लिए आंख में मिर्च का पाउडर इसके अलावा कोई अन्य पाउडर भी डाल देते थे। जिससे कुछ समय के लिए आदमी बेचैन हो जाता था। और फिर लूट की घटना को अंजाम देने के बाद रफ्फूचक्कर हो जाते थे। पुलिस के लिए यह लुटेरे चुनौती थे। सड़क पर लूट की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे। पकड़े गए आरोपियों में खरगूपुर थाना के गांव असधा के रहने वाले सुमित कुमार तिवारी पुत्र मनराखन तिवारी कोतवाली नगर क्षेत्र के जानकी नगर के रहने वाले शौर्य कश्यप पुत्र जानू कश्यप तथा इमामबाड़ा के फैज अहमद को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

केला पौधरोपण एवं धान की श्रीविधि की खेती पर की गई चर्चा

संवाददाता—महराजगंज। पूर्वांचल किसान किला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की एक बैठक ग्राम गिरहिया परागपुर में आयोजित की गई। इसमें सीबीबीओ के रूप में कार्यरत पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के श्रवण कुमार ने केला पौधरोपण पर चर्चा करते हुए धान की श्रीविधि से बुवाई करने पर जोर दिया। एफपीओ के सीईओ प्रदीप कुमार ने कंपनी के माध्यम से फार्म मशीनरी बैंक, खाद बीज दुकान के संचालन को लेकर जानकारी दी। छेदी प्रसाद ने व्यवसाय पर जोर देते हुए शेयर सदस्यता बढ़ाने एवं खरीफ फसल प्रबंधन पर जागरूक किया। इस दौरान पूर्वांचल किसान किला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक अंगद गुप्ता ने कहा कि हमारी कंपनी किसानों के साथ मिलकर उनकी आय बढ़ाने के लिए जागरुक कर रही है। इस दौरान निदेशक भिखारी ने अन्य किसान साथियों को भी इस कंपनी में जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर दीपू शाही ने कंपनी के माध्यम से खाद एवं कीटनाशक बिक्री पर जोर देते हुए जैविक खेती करने के लिए किसानों को सलाह दी।

सात दिन से बिजली गुल, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। सात दिन बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने पर पकड़ी दीक्षित के ग्रामीण भड़क उठे। बृहस्पतिवार को ग्रामीणों ने परतावल बिजली उपकेंद्र से जुड़े पकड़ी दीक्षित गांव के चौराहे पर प्रदर्शन कर आपूर्ति बहाल करने की मांग की। समस्या का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। लोगों ने कहा कि इस भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने से रात में नींद पूरी नहीं हो रही है।

30 मई की रात को आए चक्रवाती तूफान से विद्युत पोल और तार टूटकर गिर गए। बिजली विभाग ने उसके अगले ही दिन से मरम्मत कार्य शुरू कर दिया, लेकिन अभी तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। गांव और मुख्य सड़क के किनारे बिजली का पोल और तार टूटकर गिर गए हैं। बृहस्पतिवार को पकड़ी दीक्षित के लोगों ने बिजली विभाग के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे हकीम, अंगद कसौधन, वारिस अली, राजकुमार, श्रवण मद्धेशिया, प्रहलाद आदि ने कहा कि भीषण गर्मी में सातवें दिन भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। इसी तरह काम हुआ तो जल्दी बिजली मिलने की उम्मीद नहीं है। लोगों ने मरम्मत कार्य में तेजी लाते हुए शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। जल्दी ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

तीन माह से कस्तूरबा कार्मिकों का नहीं मिला मानदेय

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के शिक्षक कर्मचारियों को तीन महीने से मानदेय नहीं मिला है। मानदेय को लेकर शिक्षक कर्मचारी बेसिक शिक्षाधिकारी को अपनी समस्या से अवगत करा चुके हैं। इतना ही नहीं नवीन शैक्षिक सत्र में अभी तक इन कार्मिकों का नवीनीकरण भी नहीं हो सका है। बिना नवीकरण के शिक्षकगण छात्राओं को तालीम दे रहे हैं। जिले में 11 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में करीब 165 शिक्षक कर्मचारी के पद निर्धारित हैं। इनमें 150 पर शिक्षक कार्मिकों की तैनाती है। इन कर्मचारियों को मार्च 2024 से अब तक का मानदेय नहीं मिला है। अल्प मानदेय होने के बावजूद तीन महीने से न मिलाने से कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

खड़े ट्रक में बाइक लेकर घुसा युवक, मौत

संवाददाता—महराजगंज। थाना क्षेत्र के सिसवा मार्ग स्थित खम्हौरा गांव के पास खड़ी ट्रक में बृहस्पतिवार को एक युवक तेज रफ्तार बाइक लेकर घुस गया। हादसे में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के खम्हौरा गांव के टोला बंजरिया निवासी उमाशंकर भारती (24) शटरिंग का काम करता था। बुधवार की रात में कहीं से शटरिंग का काम करके बृहस्पतिवार की सुबह करीब चार बजे बाइक से घर लौट रहा था। अभी वह सिसवा मार्ग स्थित खम्हौरा गांव के पास पहुंचा था। इसी बीच तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में उमाशंकर की मौत हो गई। मृत उमाशंकर दो भाइयों में छोटा था। उमाशंकर की मौत के बाद पिता बहादुर भारती सहित अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने कहा की घटना की जानकारी मिली है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत कर मांगी पति की दीर्घायु

संवाददाता—देवरिया। वट सावित्री का व्रत गुरुवार को विधि विधान से मनाया गया। सुहागिनों ने वट वृक्ष की पूजा कर पति की दीर्घायु की कामना की। शहर से लेकर गांव तक सुबह से ही वट वृक्ष के पास सुहागिनों की भीड़ जुटने लगी। महिलाओं ने विधि विधान से वृक्ष की पूजा की।वट सावित्री व्रत की कथा सुनकर पति की दीर्घायु की कामना की। शहर के रामनाथ देवरिया, नई कॉलोनी, साकेत नगर, भटवलिया, रामगुलाम टोला, गायत्रीपुरम, सोमनाथ नगर, पुरवा समेत सभी मोहल्लों में वट वृक्ष के सामने भीड़ रही। निर्जला रह कर महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा किया। वट वृक्ष से पत्ते व दूसा तोड़ पूजन–अर्चन किया। इस दौरान यहां मेला जैसा माहौल रहा। पूजन –अर्चन के बाद महिलाओं ने घर पहुंच कर पारण किया।

संदीक्षा सदस्यों ने पौधरोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता—श्रावस्ती। एसएसबी मुख्यालय भिनगा में गुरुवार को संदीक्षा सम्मलेन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पौधे रोपे गए और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। संदीक्षा सम्मलेन की अध्यक्षता उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार की पत्नी व संदीक्षा सदस्य सुमीता देवी ने किया। उन्होंने संदीक्षा में जवानों के परिवारजनों की भूमिका और उनके सहयोग की सराहना की। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें परिवार की भलाई, सुरक्षा और कल्याण के मुद्दे शामिल रहे। सम्मलेन के बाद पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सुमीता देवी समेत सभी संदीक्षा सदस्यों ने परिसर में पौधारोपण किया जिसमें आम, जामुन, आंवला और अन्य छायादार व फलदार वृक्ष रोपे गए। उन्होंने कहा पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। पौधारोपण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। पौधारोपण के अंत में सभी संदीक्षा सदस्यों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर एसएसबी उपनिरीक्षक हीरे भाग्यश्री सुभाष, आरक्षी संचू तमांग, वैशाली आदि मौजूद रही।

कार्यदायी संस्था ने काट दी मेडिकल कालेज की बिजली, जेआर-एसआर तबाह

संवाददाता—कुशीनगर। मेडिकल कॉलेज में अकेडमिक ब्लॉक की बिजली कार्यदायी संस्था ने काट दी। गेट पर ताला बंद कर दिया। जेआर व एसआर के आने जहाने तक पर पाबंदी लगा दी। इससे वहां रहने वाले जेआर व एसआर तबाह हो गए। जेआर व एसआर का कहना है कि ऐसा अक्सर होता है। काफी देर बाद भी जब बिजली बहाल नहीं हुई तो नाराज जेआर व एसआर ने परिसर में बैठक की और सीएम, डिप्टी सीएम, डीएम व प्राचार्य को पत्र लिखकर काम ठप करने की चेतावनी दी। हालांकि प्राचार्य के हस्तक्षेप पर शाम को बिजली बहाल हो गयी। समस्या कार्यदायी संस्था द्वारा अब तक बिल्डिंग का हैंडओवर नहीं दिए जाने को लेकर पैदा हुई है। कार्यदायी संस्था के कई कामगार वहां ठेकेदार से बकाया मांगने पहुंचे थे। मुगतान नहीं मिला तो कामगारों ने बगल के गांव के ट्रांसफार्मर से आ रही बिजली काट दी। गेट पर ताला बंद कर दिया। काफी देर प्रेशान रहने के बाद कैंपस में रह रहे जेआर व एसआर ने प्राचार्य को पूरी बात बतायी तो वह भी नाराज हुए और सभी को समझा कर शांत कराया। जेआर व एसआर का कहना है कि अक्सर कार्यदायी संस्था बिजली काट देती है। इससे वह बिजली पानी आदि को लेकर परेशान हो जाते हैं। शाम को सभी ने बैठक के बाद सीएम, डिप्टी सीएम, डीएम व प्राचार्य को चेतावनी पत्र लिखकर अपनी समस्या बतायी और ऐसी हाले में काम ठप करने की चेतावनी दी।

कार्यदायी संस्था ने अब तक भवन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को हैंडओवर नहीं किया है। इसके कारण प्राचार्य ने बगल के ट्रांसफॉर्मर से अस्थाई बिजली कनेक्शन की व्यवस्था की है। हालांकि प्राचार्य ने बिजली विभाग में कनेक्शन देने के लिए आवेदन व शुल्क का भुगतान भी कर दिया है मगर इसमें हैंडओवर नहीं मिलने का पेंच है। कार्यदायी संस्था व उससे संबंधित लोग जब चाहे बिजली काट कर विवाद पैदा करते हैं। बुधवार को भी यही हुआ। जेआर व एसआर ने बताया कि कार्यदायी संस्था पर कुछ ठेकेदार व उनके आदमी बकाये का आरोप लगाकर अक्सर विवाद करने पहुंच जाते हैं। बुधवार को भी वह इसी चक्कर में पहुंचे थे और गेट पर ताला जड़ दिया। हम लोगों को बाहर तक नहीं निकलने दे रहे थे। इससे पहले ही ट्रांसफार्मर से बिजली काट दी थी। शाम को बिजली बहाल हो पायी है।

डॉ आके शाही, प्राचार्य, स्वशाषी मेडिकल कॉलेज ने कहा कि कोट–बिजली बहाल हो गयी है। सारी बदमाशी कार्यदायी संस्था की है। हैंडओवर नहीं दे रहे हैं। बहाने बनाते रहते हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि तब तक वहां बिजली पानी की सप्लाई वह देंगे। कई बार ऐसा कर चुके हैं। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को चेतावनी दी है। एक सप्ताह में हैंडओवर करने को कहा है। वरना उनपर कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। बिजली विभाग के एक्सईएन से भी बात की है। उन्होंने जल्द ही कनेक्शन लगवाने का आश्वासन दिया है।

वट वृक्ष की पूजा कर महिलाओं ने की पति के लम्बी आयु की कामना

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में महिलाओं ने वटवृक्ष की पूजा अर्चन करके अपने पति की लंबी आयु के लिए कामना की। ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन बट सावित्री का व्रत रखा जाता है। मान्यता के अनुसार वट सावित्री के दिन सुहागिन महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा करने जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान ब्रह्मा जी और भगवान शिव जी का वास है। इस दिन बरगद पेड़ की पूजा करने से पति और परिवार को सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वट वृक्ष पूजन से पति के अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है। बट सावित्री व्रत के दिन पतिव्रता स्त्री वटवृक्ष की परिक्रमा करती हैं तथा चारों ओर कलवा बनती हैं। बट वृक्ष पूजा करने से पति की लंबी उम्र तथा संतान प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण होती है। गुरुवार को नगर के सिटी पैलेस स्थित काली माता मंदिर, झारखंडी मंदिर, रानी तालाब मंदिर सहित अन्य स्थानों पर जाकर पूजन करके त्योहार मनाया।

रंजिश पड़ोसी पर बच्चा चुराने का आरोप, जांच शुरू

संवाददाता—गोण्डा। पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में महिला ने पड़ोसी पर सोते समय आधी रात को बच्चे चुराने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले में जांच कर कार्यवाही किए जाने की बात कह रही है। थाना क्षेत्र के जयराम जोत निवासी संगीता देवी ने आरोप लगाया है कि अपने छप्पर में एक वर्षीय पुत्र आलोक के साथ सो रही थी। इसी दौरान पड़ोसी महेश ने अपने पत्नी ने साथ मेरे बच्चे को चुराने का असफल प्रयास किया उन लोगों के जाग जाने से सफल नही हो सके। हल्ला गुहार सुनकर आरोपी भाग गए। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने बताया कि अगल बगल पड़ोसी का मामला है जिसमे पुरानी रंजिश भी है।

इंडो–नेपाल बार्डर क्षेत्र में 17 किमी सड़क को अब उम्मीद

संवाददाता—महराजगंज लोकसभा

चुनाव अब खत्म हो चुका है। चुनाव में व्यस्त अधिकारी अब विकास व निर्माण कार्य में फोकस करना शुरू कर दिए हैं। अब कार्य में तेजी आएगी। इस बीच इंडो नेपाल बार्डर डेवलेपमेंट योजना से भरवलिया ढाले शुरू होकर वाया लक्ष्मीपुर खुर्द, शीतलपुर, बहुवार, झुलनीपुर से होकर पथलहवा छोटी गंडक नदी तक बन रही सड़क के निर्माण में भी तेजी आने की उम्मीद है। इंडो नेपाल बार्डर डेवलपमेंट योजना के तहत भरवलिया से पथलहवा छोटी गंडक तक सड़क का निर्माण हो रहा है। बनायी जा रही 17 किमी लंबी सड़क पर काम तेज कर दिया गया है। एप्रोच का निर्माण, पेटिंग का कार्य तेज हो गया है। सड़क बन जाने से सीमाई क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बेहद सुविधाए मिलेंगी। वही एसएसबी के जवानों को बार्डर के चेक पोस्टो पर पेट्रोलिंग करने में बेहद सुविधा मिलेगी। एसएसबी के अधिकारियों द्वारा इंडो नेपाल बार्डर पर पेट्रोलिंग की दिक्कत को लेकर भारत सरकार से सड़क मार्ग बनाने की मांग की थी। इसके क्रम में वर्ष 2020 से इस मार्ग पर काम शुरू कर दिया गया। सड़क 17 किमी लम्बा व 30 मीटर चौड़ा बनायी जा रही है। जिसमे 300 ह्यूम पाइप लगने हैं। अभी तक 150 पाइप लगाया जा चुका है। बाकी बचे पर काम चल रहा है। भरवलिया ढाले शुरू होकर वाया लच्छमीपुर खुर्द, शीतलपुर, बहुवार, झुलनीपुर से होकर पथलहवा छोटी गंडक नदी तक जाएगी। सड़क नहीं बनने से ठूठीबारी भरवलिया रामनगर, सुकरहर, बकुलडीह, बाड़न, किशुनपुर सहित दर्जनों गांव के लोगों को काफी लंबी दूरी तय करनी पड़ रही थी। सड़क बन जाने से समय और ईधन दोनों की बचत होगी। सड़क का निर्माण जय अम्बे ट्रेडर्स कंपनी के द्वारा बनाया जा रहा है। कंपनी के ठेकेदार राकेश सिंह ने बताया कि इंडो नेपाल बार्डर पर बन रही सड़क मार्ग पर लो लैंड होने की वजह से एक से लेकर तीन मीटर तक मिट्टी डालनी पड़ रही है। मिट्टी के आभाव के कारण काम रुक–रुककर करना पड़ रहा है। चुनाव समाप्त हो गया है अब काम युद्ध स्तर पर शुरू करा दिया गया है।

ग्राम प्रधान भरवलिया बैजनाथ यादव ने बताया कि बाढ़ के दिनों में सबसे अधिक परेशानी भरवलिया गांव के लोगों को होता है। इस मार्ग के बन जाने से ग्रामीणों को बहुत सहूलियत मिलेगी। शिव शकल यादव भरवलिया ने बताया कि बाढ़ के दिनों में भरवलिया गांव टापू बन जाता है। मुख्य मार्ग से गांव तक आने के लिए एक ही मार्ग है। जो बाढ़ के दिनों में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाता है। इस मार्ग के बन जाने से सीमावर्ती गांवो में आने जाने में सुविधा मिलेगी। गजेंद्र प्रजापति निवासी बसन्तपुर ने बताया कि बाढ़ के दिनों में यहां के लोगों की जीवन बेहद नारकीय हो जाती है। मुख्य मार्ग को छोड़कर सभी गांव के संपर्क मार्ग जलमग्न हो जाते है। नजदीक के लक्ष्मीपुरखुर्द बाजार जो गांव से मात्रा तीन किमी है। संजय साहनी निवासी रामनगर ने बताया कि इस सड़क के बन जाने से सीमाई क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। उबड़ खाबड़ रास्तो से निजात मिलेगी। वही जवानों को भी पेट्रोलिंग में सुविधा मिलेगी।

चिता से उठवाकर पोस्टमार्टम को भेजा नवविवाहिता का शव

संवाददाता—कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के नौगावां में बुधवार को दोपहर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। परिवार के लोग अंतिम संस्कार कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चिता से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। मामले की जांच में जुट गई है। विवाह बीस दिन पूर्व ही हुआ था।

नौगावां गांव निवासी व्यास सिंह की पत्नी पुष्पा (22) की घर में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के बाद परिवार के लोगों द्वारा आनन फानन में शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। किसी व्यक्ति ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने जलती चिता को बुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव के लोग दबी जुबान घटना का कारण पारिवारिक कलह बता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट हुई है। लगभग बीस दिन पूर्व ही विवाह हुआ था। इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर का फ्यूज जोड़ रहे संविदा कर्मी की करंट से मौत

संवाददाता—बहराइच। पयागपुर इलाके में बुधवार रात प्लेटफॉर्म पर लगे ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ गया। शट डाउन लेकर संविदा कर्मी फ्यूज जोड़ने चढ़ा हुआ था। इसी दौरान बिजली आपूर्ति शुरू होने पर संविदा कर्मी की झुलस कर मौत हो गई। इससे नाराज ग्रामीण ने बिजली उपकेन्द्र पर मौजूद संविदा कर्मी को बेरहमी से पीट कर मरणासन्न कर दिया। नाराज लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। जानकारी मिलते ही पहुंचे सीओ पयागपुर हीरा लाल कनौजिया ने काफी समझा बुझा कर जाम हटवाया। लगभग दो घंटे बाद यातायात बहाल हुआ।

पयागपुर थाने के हटवा गोपाल के मजरे सुकई पुरवा निवासी 25 वर्षीय हनुमान यादव पुत्र निबरे पयागपुर के बिजली उपकेन्द्र पर संविदा बिजली कर्मी के तौर पर नियुक्त था। इसी थाने के रजवापुर के दरियावपुर में स्थापित ट्रांसफार्मर का बुधवार रात लगभग 10रु45 बजे फ्यूज उड़ गया। सूचना मिलने पर संविदा कर्मी हनुमान यादव ने शट डाउन लेकर फ्यूज जोड़ने के लिए प्लेटफॉर्म पर चढ़ ट्रांसफार्मर का फ्यूज जोड़ रहा था। इसी दौरान बिजली उपकेन्द्र पयागपुर से किसी कर्मचारी ने रात 11 बजे बिजली आपूर्ति शुरू कर दी। जिससे संविदा बिजली कर्मी की करंट लगने से झुलस कर मौत हो गई। आसपास के लोगों की सूचना पर उपकेंद्र से आपूर्ति काटी गई। हादसे में मौत की खबर जंगल की आग की तरह फैली। जिससे ग्रामीणों में गुस्सा भड़क उठा। नाराज भीड़ उप केंद्र पहुंची और वहां मौजूद बिजली कर्मी बृजराज विश्वकर्मा की बेरहमी से धुनाई कर दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची मरणासन्न बृजराज विश्वकर्मा मरणासन्न को सीएचसी भेजा गया। वहीं हादसे से नाराज ग्रामीणों ने गोंडा बहराइच हाईवे पर जाम लगा दिया। जानकारी मिलते ही पयागपुर सीओ हीरा लाल कनौजिया, विशेश्वरगंज व हुजूरपुर एसएचओ पुलिस बल के साथ पहुंच गए। जाम लगाए लोगों को काफी समझाने पर लगभग दो घंटे बाद जाम खुला। तब जाकर यातायात बहाल हुआ। थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामगढ़ताल में होगी देश की पहली सेलिंग प्रीमियर लीग

संवाददाता–गोरखपुर। प्रतियोगिता ओपन केटेगरी में होगी और विजेताओं को नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। आयोजकों की कोशिश है कि इसमें कुछ ओलंपिक में प्रतिभाग कर चुके खिलाड़ी भी इसमें शामिल हों। गोरखपुर में इसके आयोजन से इस खेल को बढ़ावा मिलेगा। शहर के लोगों को रामगढ़ताल में रोइंग के बाद अब सेलिंग का भी रोमांच देखने को मिलेगा। देश में पहली बार सेलिंग प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है। इसकी मेजबानी गोरखपुर को मिली है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में यह प्रतियोगिता रामगढ़ताल में आयोजित होगी। इसमें देशभर के खिलाड़ी शामिल होंगे।

प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय सेना, मुख्यालय मध्य कमान और उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वाधान में होगा। इसको लेकर कमिश्नर सभागार में बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रतियोगिता का तिथि को लेकर बात हुई। प्रतियोगिता के लिए कमिश्नर अनिल ढींगरा को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। यह प्रतियोगिता दर्शकों के लिए भी रोमांचक होगी।

प्रतियोगिता ओपन केटेगरी में होगी और विजेताओं को नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। आयोजकों की कोशिश है कि इसमें कुछ ओलंपिक में प्रतिभाग कर चुके खिलाड़ी भी इसमें शामिल हों।

गोरखपुर में इसके आयोजन से इस खेल को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यहां के युवाओं के लिए भी इसमें अपना भविष्य बनाने का मौका मिलेगा। बैठक के दौरान मध्य कमान मुख्यालय के मुख्य अभियंता मेजर जनरल सी जयचंद्रन, लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक यादव, लेफ्टिनेंट कर्नल कीर्ति, सेना से सब एस चतुर्वेदी, यूपी रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा, आरएसओ आले हैदर और रोइंग कोच गणेश निषाद मौजूद रहे।

सेलिंग मुख्य रूप से समुद्र और लहरों के बीच में खेला जाने वाला खेल है, जिसमें बोट के ऊपर एक पर्दे नुमा कपड़ा होता है जिसको लहरों पर उठती हवाओं के माध्यम से कंट्रोल किया जाता है और उसी के हिसाब से आगे बढ़ते हुए खिलाड़ी जीत हासिल करता है। रामगढ़ताल का पानी और यहां की हवा इसके लिए अनुकूल है, इसीलिए प्रतियोगिता के लिए इसका चयन किया गया है। इसे साथ ही बगल में वॉअर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी इसके लिए मददगार है। सेलिंग एक ओलंपिक खेल है लेकिन भारत और खास तौर से यूपी में यह उतना लोकप्रिय नहीं है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए उत्तर प्रदेश की एक टीम बनाई जाएगी। साथ ही गोरखपुर में ही इसके लिए प्रशिक्षण भी होगा ताकि प्रतियोगिता से पहले यहां के खिलाड़ियों की अच्छी तैयारी हो सके। आयोजन का उद्देश्य नौकायन के खेल को व्यापक आधार देना और राज्य में खेल पर्यटन की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

गोपालपुर में समाप्त होने के कगार पर पुराने कुएं का अस्तित्व

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के अधिकांश इलाकों में कुएं का अस्तित्व समाप्त होने वाला है, जो कुएं किसी गांव में बचे भी हैं उनको भी अब धीरे–धीरे खत्म कर दिया जा रहा है। कभी यही कुएं लोगों की प्यास बुझाने का काम किया करते थे, लेकिन अब ये बातें गुजरे जमाने की बात हो गयी। जल स्त्रोत के मुख्य साधन के लिए कभी ये कुएं जाने जाते थे लेकिन अब ये कुएं समाप्ति के कगार पर हैं। इन कुओं को संरक्षित करने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है वहीं इन कुओं पर खतरा बनकर मंडरा रहे हैं।

अकबरपुर ब्लॉक के ग्रामसभा नौगवा के गोपालपुर पुरवे में कई दशक पहले गांव के बुजुर्गों ने महीनों अपना पसीना बहाकर प्यास बुझाने और सिंचाई के लिए कुएं का निर्माण करवाया, आज उसी कुएं के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। कुएं को संरक्षित करने के बजाय कुएं के चबूतरे को खत्म कर रास्ते का रूप दे दिया गया। बताया जाता है कि पांच साल पूर्व कुएं के जीर्णोद्धार के लिए सरकारी धन भी आया लेकिन तत्कालीन ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी ने कुएं का जीर्णोद्धार न करवाकर धन का बंदरबांट कर लिया। गांव के लोगों ने नया प्रधान चुना लेकिन नए प्रधान भी कुएं के अस्तित्व को बचाने में फेल साबित हो रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं अगर कुएं का अस्तित्व खत्म हुआ तो गांव के दूल्हे कुआं घूमने की रस्म अदा नहीं कर पाएंगे, बल्कि घर पर लगे नलकूप को घूमकर सिर्फ औचारिकता पूरी करेंगे, इसलिए गांव के कुएं को संरक्षित करना बेहद जरूरी है। अगर ऐसे ही कुओं की अनदेखी और कुओं पर कब्जेदारी होती रही तो एक दिन गांव के कुएं सिर्फ कभी कहानियों में पढ़े जाएंगे।

टोल टैक्स– लोकल रूटों के बस यात्रियों को नहीं देना होगा अतिरिक्त किराया

संवाददाता–गोरखपुर। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने टोल टैक्स में इजाफा किया है। पांच से 25 रुपये तक टोल बढ़ाए गए हैं। ऐसे में अब निजी गाड़ी से सफर करने वाले लोगों को जेब ढीली करनी पड़ रही है। मगर, बस से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। गोरखपुर और आसपास के टोल प्लाजा पर उन्हें बस के टिकट पर अतिरिक्त पैसे नहीं देने होंगे। वह जितना देते आ रहे थे, फिलहाल उसी किराये में सफर पूरा कर सकेंगे। परिवहन निगम ने लखनऊ रूट छोड़कर शेष पर टोल बढ़ने के बाद भी किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। लखनऊ रूट पर भी बस्ती तक अतिरिक्त किराया नहीं लगेगा, लेकिन उसके आगे जाने पर एक रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे।

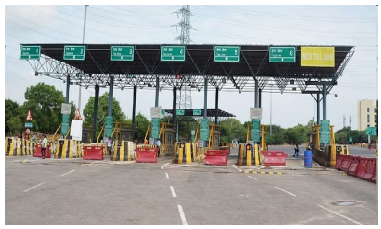

एनएचएआई ने दो जून की रात से टोल टैक्स में पांच से 25 रुपये तक इजाफा किया है। ऐसे में अब सभी रास्ते, जहां पर टोल प्लाजा है, वहां से गुजरने के लिए लोगों को

अतिरिक्त टैक्स चुकाना पड़ रहा है। मगर परिवहन निगम ने टोल टैक्स में मामूली वृद्धि के कारण आसपास के लोकल रूटों पर बसों का किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। परिवहन निगम के आरएम लव कुमार सिंह ने बताया कि गोरखपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में कुल 11 टोल प्लाजा पड़ते हैं। इसमें कुशीनगर, महराजगंज के साथ लखनऊ रूट के टोल प्लाजा शामिल हैं। इन सभी पर टोल टैक्स में मामूली वृद्धि की गई है। ऐसे में परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए आसपास के रूटों पर किराया न बढ़ाने का फैसला लिया है। सिर्फ लखनऊ रूट पर बस्ती टोल के आगे सफर करने वालों को एक रुपये अतिरिक्त किराया चुकाना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि उसे हर टोल के लिए एक रुपये अतिरिक्त नहीं देने हैं, बल्कि लखनऊ तक के लिए सिर्फ एक रुपये ही अतिरिक्त किराया देना होगा। उन्होंने बताया कि अगर यात्री बस्ती से पहले तक सफर करता है तो किराये में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं की है।

सपा की आंधी में नहीं दिखा बाहुबलियों का प्रभाव, गोसाईगंज भी हारी भाजपा

संवाददाता–अयोध्या। अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र में चली सपा की आंधी में गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के दोनों बाहुबली नेताओं का प्रभाव भी बेअसर रहा। हाल ही में भाजपा के करीब आए सपा विधायक भी कोई करिश्मा नहीं दिखा सके। अंततः इस सीट पर भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। जबकि, दोनों खेमे शक्ति प्रदर्शन करके बड़े–बड़े दावे करने से थक नहीं रहे थे।

2019 में अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के तत्कालीन मंत्री रहे मुकुट बिहारी वर्मा चुनाव लड़े थे। उस समय गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता इंद्रप्रताप तिवारी विधायक थे। सपा के अभय सिंह स्नर विधायक थे और यह सपा–बसपा गठबंधन से चुनाव लड़े रितेश पांडेय के साथ थे। उस चुनाव में भाजपा तो अंबेडकरनगर की सभी विधानसभा सीटों पर हार गई, लेकिन गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से लाज बचाई। उस समय भाजपा को यहां से 1,12,155 और बसपा को 1,01,121 वोट मिले थे। इस तरह भाजपा ने बसपा को 11034 मतों से हरा दिया था।

2022 में सपा के अभय सिंह, भाजपा की आरती तिवारी को हराकर विधायक बने, लेकिन बीते दिनों हुए राज्यसभा चुनाव में वह भाजपा खेमे में चले गए। जबकि, इंद्रप्रताप तिवारी पहले से ही भाजपा में थे। अभय सिंह प्रत्यक्ष रूप से सिर्फ अमित शाह की रैली में नजर आए, लेकिन मंच तक नहीं पहुंचे। पत्नी, पिता व समर्थकों को भाजपा में शामिल कराया और कई सम्मेलन कराकर ताकत का प्रदर्शन भी किया। ऐसे में इस विधानसभा सीट के बाहुबली छवि के दोनों नेताओं के भाजपा के पक्ष में लामबंद होने से यहां बेहतर परिणाम के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन वह धूमिल हो गए। सपा की आंधी इतनी तेज चली कि दोनों नेताओं के सारे समीकरण ध्वस्त हो गए। भाजपा यहां से हर राउंड में हारती रही। अंततरू सपा इस बार यहां से 16,653 मतों से जीतने में कामयाब रही। दोनों नेताओं के सारे दावों की हवा निकल गई।

रामनगरी अयोध्या में हारी भाजपा तो जगतगुरु परमहंस आचार्य बोले- जानबूझकर बुजुर्ग और दलित को दिया गया सम्मान

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश की सबसे हॉट सीट बनी फैजाबाद– अयोध्या लोकसभा सीट पर भी भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से इस सीट की चारों तरफ चर्चा हो रही है। वहीं, अब जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि अयोध्या से भाजपा हारी नहीं बल्कि बुजुर्ग और दलित को सम्मान दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आने के बाद जीत– हार को लेकर हर जगह मंथन का दौर जारी है। हर कोई चकित है कि आखिर अयोध्या जैसी सीट पर भारतीय जनता पार्टी को क्यों हार का सामना करना पड़ा। इसी बीच अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के हारने को लेकर तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने बड़ा बयान दिया है। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी हारी नहीं है, इसके पीछे एक रहस्य है। भाजपा ने जानबूझकर अयोध्या की सीट छोड़ी है। इसका कारण यह था कि गठबंधन ने यहां से एक दलित प्रत्याशी को टिकट दिया था। जो अत्यंत बुजुर्ग हैं, इतने बुजुर्ग हैं कि ये समझिए कि उनका साल और 6 महीने चलना मुश्किल है। भारतीय जनता पार्टी ने बुजुर्गों और दलितों का सम्मान सर्वोपरि है।"

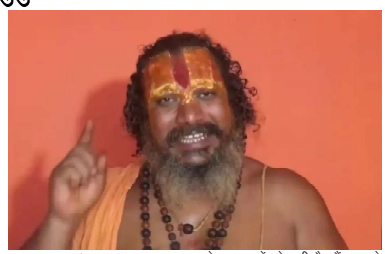

उन्होंने रामायण का जिक्र करते

हुए कहा, "मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के समय रामराज था। उस वक्त भगवान राम प्रत्येक व्यक्ति की खबर रखते थे, चारों तरफ देखते थे, किसी को कोई कष्ट तो नहीं है। उस समय पता चला है कि एक दलित ने कहा था, "मैं चाहता हूं भगवान राम सीता का परित्याग कर दें। तो प्रभु श्रीराम ने सीता का परित्याग कर दिया था। उस वक्त मंथरा ने कहा था कि भगवान राम को 14 साल के लिए वनवास पर जाना चाहिए। उन्हें जब यह पता चला था कि मंथरा ने कहा है जो कि एक दलित महिला थी तो प्रभु श्रीराम खुशी–खुशी 14 साल के लिए वन चले गए। माता शबरी के जूठे बेर भी खाए।

परमहंस आचार्य ने आगे कहा कि भाजपा अयोध्या की सीट हारी नहीं है। इसको नरेंद्र मोदी ने जानबूझकर एक बुजुर्ग और दलित के सम्मान में छोड़ दी है। मैं आपको अंदर की एक बात बताता हूं कि अयोध्या में भाजपा कार्यकर्ता लल्लू सिंह कहते थे कि इस बार यहां पर दलित के सम्मान पर वोट देना चाहिए। यह एक बड़ी बात है और यही रामराज है, लोग इस बात को समझेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व कितना बड़ा है, उनका दलित, गरीब और किसानों के प्रति कितना प्रेम है, उतना और किसी के अंदर नहीं हो सकता है। यहां भाजपा हारी नहीं है, यहां से जीतने वाले प्रत्याशी इतने बुर्जुग हैं। आगे जब चुनाव होंगे तो भाजपा यहां लाखों वोट से जीतेगी। बता दें कि अयोध्या से समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने भाजपा के दो बार के सांसद लल्लू सिंह को 54,567 वोटों से हराया है। वहीं, भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 4 लाख 99 हजार 722 वोट प्राप्त हुए।

आठ से 25 जून तक होगा निशुल्क खाद्यान्न का वितरण

संवाददाता–अयोध्या। जनपद के तीन लाख 71 हजार 400 पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय योजना के 62 हजार 48 कार्डधारकों को गुरुवार से खाद्यान्न का वितरण करने की तिथि शासन ने घोषित कर दी है। इस दौरान 433448 कार्डो के 18 लाख 88 हजार 489 लोग निशुल्क लाभान्वित होंगे। अप्रैल, मई, जून का प्रति अंत्योदय कार्ड धारकों को तीनों माह मिलाकर तीन किलो चीनी का वितरण 18 रुपए की दर से किया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा ने जिले के सभी कोटेदारों को निर्देशित किया कि अंत्योदय योजना के कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा. गेहूं और 21 किग्रा चावल के और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट दो किग्रा गेहूं और तीन किग्रा चावल का वितरण आठ जून से 25 जून तक किया जाएगा। सप्लाई इंस्पेक्टर विनोद कुमार यादव ने बताया कि उक्त वितरण दिवसों में उचित दर की दुकानें प्रातरू छह बजे से रात्रि नौ बजे तक खुली रहेंगी। किसी भी दुकानदार को समस्याएं आए तो तत्काल दूरभाष पर वार्ता कर निराकरण कराएं।

अहिरौली प्रथम के प्रधान का वित्तीय अधिकार सीज

संवाददाता–संतकबीरनगर। ब्लॉक के ग्राम पंचायत अहिरौली प्रथम के प्रधान पर प्रशासनिक गाज गिरी। ग्राम पंचायत में सरकारी धनराशि के दुरुपयोग के आरोप में ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार को सीज कर दिया गया है। यह कार्रवाई गांव वालों की शिकायत के बाद जांच में दोषी पाए जाने पर डीएम ने की है। इस मामले की अंतिम जांच के लिए जिला उपायुक्त श्रम रोजगार को सौंपी गई है। ग्राम पंचायत का विकास कार्य प्रभावित न हो इसके लिए खाते के संचालन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन के लिए ग्राम पंचायत सदस्यों की सूची मांगी गई है। डीएम ने डीपीआरओ को तत्कालीन ग्राम सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। अहिरौली प्रथम गांव के जयराम पुत्र पल्टू ने 15 बिंदुओं और गांव के ही उमेश सिंह पुत्र गनपत सिंह ने पांच बिंदुओं पर ग्राम प्रधान के खिलाफ शिकायत की थी। मामले की जांच के लिए भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन और सहायक अभियंता नलकूप खंड की टीम गठित कर जांच आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जांच अधिकारियों ने जांच पूर्ण कर जांच आख्या प्रस्तुत किया। जांच अधिकारियों की रिपोर्ट के मुताबिक शिकायत कर्ता उमेश सिंह पांच बिंदुओं की शिकायत में बिंदु संख्या पांच पर की गई शिकायत एवं जयराम की 15 बिंदुओं की गई शिकायत में बिंदु संख्या आठ एक समान है, जो कि परिवार रजिस्टर नवीनीकरण के लिए 21950 रुपये अनियमितता की गई है। इसके लिए ग्राम प्रधान विनय सिंह एवं तत्कालीन ग्राम सचिव मोहम्मद अफजल दोषी पाए गए हैं। ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को एक पक्ष का अवसर देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। एक पक्ष बीत जाने के बाद भी प्रधान व ग्राम सचिव ने 23 फरवरी 2024 तक अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। स्पष्टीकरण करण प्राप्त न होने के कारण ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को अनुस्मारक पत्र निर्गत कर तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के अंतिम अवसर दिया गया। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि नोटिस के बाद स्पष्टीकरण नहीं उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे प्रथम दृष्टया साबित है कि जांच अधिकारी द्वारा पाई गई अनियमितता ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को स्वीकार है, तथा इन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है। 21950 रुपये की अनियमितता में ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव दोषी पाए गए हैं। कार्रवाई करते हुए डीएम ने ग्राम प्रधान को प्रथम दृष्टया दोषी माना है तथा उनके प्रधान पद के वित्तीय तथा प्रशासनिक अधिकारों पर तत्काल प्रभाव से लगा दिया है।

चुनावी हार से सोशल मीडिया के निशाने पर आए अयोध्या के लोग

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में भाजपा को मिली शिकस्त को सनातन धर्म में विश्वास रखने वाली देश की जनता स्वीकार नहीं कर पा रही है। सोशल मीडिया पर अयोध्या की हार को लेकर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। रामनगरी अयोध्या में भाजपा को मिली करारी शिकस्त को सनातन धर्म में विश्वास रखने वाली देश की जनता स्वीकार नहीं कर पा रही है। मंगलवार देर शाम से ही सोशल मीडिया पर अयोध्या की हार को लेकर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है और लोग अयोध्यावासियों को जमकर कोस रहे हैं। हर प्लेटफार्म पर लोग अयोध्यावासियों को सीट हराने के लिए लानत, मलानत भेज रहे हैं। एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम व व्हाट्सअप पर यूजर इस करारी हार के लिए जिम्मेदार फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। अयोध्यावासियों को उनके नातेदार, रिश्तेदार, मित्र फोन करके असहज कर रहे हैं। सबसे ज्यादा वायरल रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण का एक संवाद वायरल हो रहा है जिसमें राम की भूमिका में अरुण गोविल सीताजी को समझा रहे हैं कि 'जनता को तुम नहीं जानती हो, जनता से बड़ा स्वार्थी व निर्दयी कोई भी नहीं होता, अपने स्वार्थ के लिए वो राजा से उसकी रक्त की अंतिम बूंद तक मांग लेती है, लेकिन जब राजा के लिए उसे कुछ त्यागना पड़े तो वह क्षण भर में मुंह फेर लेती है।' इसके साथ ही शर्म करो, तुम पर धिक्कार है का 'टैग' लगाकर लोग वायरल कर रहे हैं। कहा, इतिहास गवाह है कि अयोध्यावासियों ने हमेशा ही सच्चे राजा के साथ विश्वासघात ही किया है, धिक्कार है।

फेसबुक पर तरह तरह के कमेंट की भरमार है उसमें प्रमुख रूप से 'अयोध्या में इतने विकास के बाद भी बीजेपी की सीट नहीं निकली, लगता है अयोध्या को रामराज नहीं रावणराज चाहिए'। 'आज सभी को पता चल गया कि राममंदिर 500 वर्ष तक क्यूं नहीं बन पाया'। 'हम भूल गए कि यह वही अयोध्यावासी हैं जिन्होंने वनवास से आने के बाद सीता माता पर ही संदेह किया था'। 'अयोध्या वाले जब त्रेता युग में राम के नहीं हुए तो कलयुग में कैसे हो जाते'। एक अन्य पोस्ट में कहा गया कि 'रामायण का अंतिम ज्ञान ये है कि राजाराम ने कितना भी कष्ट सहकर प्रजा को संतुष्ट करना चाहा लेकिन प्रजा कभी संतुष्ट नहीं हुई, वही हाल आज भी है' इस तरह की पंक्तियों वाले स्टेटस इस वक्त भरे पड़े हैं। इस बीच सोनू निगम नाम के एक शख्स का भी एक्स पर एक पोस्ट भी खूब वायरल हो रहा है। इसमें लिखा गया है कि 'जिस सरकार ने पूरे अयोध्या को चमका दिया एक पूरी टेंपल इकोनामी दे दिया उसी पार्टी को जीत के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, शर्मनाक है अयोध्यावासियों'। हालांकि यह पोस्ट प्लेबैक सिंगर सोनू निगम का नहीं है।

श्री हनुमत निवास अयोध्या, आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण, महंत ने कहा कि अयोध्या के परिणाम को लेकर सदभाव से ही सही कई आतुर टिप्पणियां आ रही हैं। हमें यह सब सही नहीं लगता, लोकतान्त्रिक व्यवस्था में विजित परिणाम अनिश्चित होते ही हैं। जो अयोध्या श्रीराम के वनगमन से नहीं हारी, वह लोकसभा की हार से भी नहीं हारेगी। अयोध्या आपके ज्ञात इतिहास–भूगोल से कहीं विराट है। यह वैकुंठ है। पर हां, इतना अवश्य है कि अयोध्या के उत्थान के महान उपक्रम में अयोध्यावासियों के सामने जो व्यावहारिक चुनौतियां उभरी हैं, उनको अनसुना किया जाना एक चिन्तनीय बिन्दु है। अयोध्या संतों–महापुरुषों का केंद्र है, इसकी स्तब्धता के अर्थ बहुत गहरे हैं। इसमें मौन को भी सुना जाना चाहिए। पुनश्च, राष्ट्र के समग्र उत्थान की यात्रा का पथ आसान नहीं है, अनेक चुनौतियों को पार करते हुए ही बड़े संकल्पों की सिद्धि होती है।

तीन माह के भीतर दिलाएंगे उचित मुआवजा –अवधेश

संवाददाता–अयोध्या। फैजाबाद सीट से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्यावासियों की दुखती रग पर हाथ रखा। जीत हासिल करने के दूसरे ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके दावा किया कि तीन माह के भीतर जिले में भूमि अधिग्रहण की जद में आए व्यापारियों और किसानों को बाजार दर पर मुआवजा दिलाएंगे। उन्होंने 48 घंटे के भीतर इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का भी दावा किया है। सहादतगंज स्थित आवास पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास के नाम पर अयोध्या की जनता को ठगने और छलने का काम किया है। 10 किलोमीटर की परिधि में बसे कुशमाहा, परसपुर, किशुनदास, माझा आदि गांवों में तमाम योजनाओं के नाम पर विभिन्न पाबंदियां लगाई हैं। जमीन अधिग्रहण के नाम पर हो रहे इस गोरखधंधे को तीन माह के भीतर खत्म किया जाएगा। जिन लोगों की जमीनें कौड़ी के दाम ली गई हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। सरकार बनाने के लिए इस देश की जनता ने बदलाव की आंधी चलाई है, जिसका नतीजा अयोध्या जैसी सीट है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आईं, लेकिन चुनाव के दौरान दर्शन करने आईं। ऐसा कहीं देखने को नहीं मिला। 84 बार मुख्यमंत्री, तीन बार प्रधानमंत्री, कई बार राज्यपाल आए और देश के कोने–कोने से लोगों को यहां लाने का सिर्फ चुनावी मकसद था। जिले की देवतुल्य जनता ने जो उम्मीद की है, उस पर खरा उतरेंगे तभी अपनी जीत मानेंगे। वे बोले कि अवधेश प्रसाद राम तो नहीं हो सकते, लेकिन राम की मर्यादाओं को एक सेवक के रूप में कायम करेंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी संगीता पत्नी श्री हरिबन्द ग्राम– गोठवा पोस्ट– बभनी मिश्र जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। मेरे आधारकार्ड में त्रुटि वश मेरा नाम संगीता देवी हो गया है जो गलत है। इसे सुधारकर संगीता किया जाए।

हाईकमान तक पहुंचा सदल की हार का मामला कमलेश बोले–जहां चाहें चैलेंज कर लें

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव लोकसभा क्षेत्र से गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद की मामूली अंतर से हार का मामला तूल पकड़ने लगा है। मामला कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच गया है। अब उन्हें मार्गदर्शन का इंतजार है। हालांकि, सदल ने न्यायालय की शरण लेने की भी तैयारी कर रखी है। उधर, चुनाव जीते भाजपा सांसद कमलेश पासवान ने मतगणना में धांधली के आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि गठबंधन प्रत्याशी किसी भी फोरम पर चैलेंज कर सकते हैं। सब कुछ पारदर्शी तरीके से हुआ है। बांसगांव से भाजपा प्रत्याशी कमलेश पासवान ने कांग्रेस के सदल प्रसाद को 3150 मतों से पराजित कर दिया था, लेकिन मतगणना के समय ही बवाल शुरू हो गया। कांग्रेस प्रत्याशी का आरोप है कि चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 33 राउंड गणना होनी थी। मतगणना दोपहर दो बजे समाप्त हो गई थी, लेकिन जानबूझकर देरी की गई और उस समय तक 8वें व 9वें राउंड की घोषणा की जा रही थी। प्राप्त मतों की घोषणा में देरी के दौरान उन्होंने कॉपी मांगी तो अधिकारियों ने उनकी बात नहीं सुनी।

उन्होंने कहा कि अंतिम दौर में वह शौचालय जाने के लिए बाहर निकले थे तो अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया और उसी दौरान भाजपा प्रत्याशी की जीत की घोषणा कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना में आंकड़ों की बाजीगरी की गई है। सारे घटनाक्रम की जानकारी उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव व पूर्वी जोन के इंडिया

गठबंधन के प्रभारी सत्यनारायण पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष केशव पांडेय को व्हाट्सएप मैसेज और बात कर दी है। जल्द ही दिशा–निर्देश प्राप्त होगा, उसके बाद आगे की लड़ाई लड़ेंगे। सदल प्रसाद का दावा है कि पुनर्मतगणना हो तो वह चुनाव जीत जाएंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना में धांधली की शिकायत निर्वाचन आयोग से की गई है। पार्टी हाईकमान को भी जानकारी दी गई है। जैसा निर्देश होगा, उसी अनुसार हक की लड़ाई लड़ेंगे।

भाजपा सांसद कमलेश पासवान ने गठबंधन के प्रत्याशी के आरोपों को निराधार बताया है। कहा कि मतगणना की पूरी प्रकिया पारदर्शी तरीके से हुई है। सदल प्रसाद कम मतों से हार गए हैं तो धांधली का आरोप लगाने लगे। वैसे उनकी जगह वह भी रहते तो शायद यही करते। जनादेश को स्वीकार करना चाहिए। जहां तक धांधली के आरोपों की बात है तो चुनाव आयोग की वेबसाइट तो गलत नहीं हो सकती। चुनाव के लिए दूसरे प्रदेश से प्रेक्षक आए हैं। अब यह कहना कि सरकार और प्रशासन के दबाव में ऐसा किया गया है, तो यह समझ से परे है। वह चाहें तो किसी भी फोरम पर चौलेंज कर सकते हैं। जनता ने उन्हें आशीर्वाद देकर जीत दिलाई है, वह दिल से धन्यवाद देते हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com